



### खबर संक्षेप

खुलरी कब्रिस्तान में रोपित किये गये 150 फलदार पौधे



हरिभूमि न्यूज/खुलरी। यदि युवाओं में इस तरह से पर्यावरण की रक्षा का संदेश जागत होने लगे तो धरती को हरियाली की पुनरी ओडने में देर नहीं लगेगी। बताया जाता है कि बीते हुये दिवस ग्राम खुलरी में युवाओं ने एक सराहनीय पहल करते हुए गांव के कब्रिस्तान परिसर में 150 फलदार आम के पौधों का रोपण करते हुये लोगों को पर्यावरण की रक्षा के प्रति एक अनेखा संदेश दिया गया है। इससे पहले युवाओं ने पूरे परिसर की साफ-सफाई कर श्रमदान भी किया गया इसके उपरांत सभी ने मिलकर पौधे को जमीन में लगाया और उसकी सुरक्षा का संकल्प लिया युवाओं ने बताया कि सावन के महीने में पौधे लगाने का विशेष महत्त्व है और कब्रिस्तान जैसी जगह पर फलदार वृक्ष लगाने से आने वाले वर्षों में यहां हरियाली के साथ-साथ पक्षियों और आम लोगों को भी लाभ मिलेगा। इस तरह पर्यावरण के प्रति बनावई गई युवाओं की सोच व इस ठोके कार्य के लिए युवा टीम की प्रशंसा की है। यह पहल पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ सामुदायिक एकता का भी सुंदर उदाहरण है। इस मौके पर तुलकमान सा(सज्जा भाई) अब्दुल खान, अनीश खान इस्माईल खां, शानु भाई, जलाल खां, सादिक टेंट वाले मौजूद रहे।

बहु ने सास को दात से काटकर किया घायल

गाडरवारा। समीपस्थ सालीचौका पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम सहावन टोला निवासी सास द्वारा अपने बहु के खिलाफ शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि उसके घर के बाजू वाले कमरा में बडा बेटा व बहु रहते है। किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो रहा था तो प्राथिया द्वारा अपनी बहु व बेटे को समझाने का प्रयास किये जाने पर बहु द्वारा अपनी सास को गंदी गंदी गालिया देते हुये मारपीट करते हुये दांत से काटकर घायल कर करते हुये जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने पोंडित सास की शिकायत पर आरोपी बहु के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

पुरानी बुराई को लेकर की मारपीट

गाडरवारा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस शहर के पटेल वाई निवासी एक युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह अपने साथी रोहित प्रजापति के साथ कहीं जा रहा था उसी दौरान रास्ते में मोहन खान, निहाल कहर, रचित तथा राज कहर मिले और पुरानी बुराई को लेकर गंदी गंदी गालिया देते लगे। जूब प्राथी द्वारा गाली देने से मना किया तो आरोपियों ने एक राय होकर प्राथी व उसके साथी के साथ मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

घर के बटवारे को लेकर किया विवाद

गाडरवारा। स्थानीय पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम कामली निवासी एक महिला द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि महेन्द्र कोवर जौ मूल रूप से ग्राम दडी का रहने वाला है उसने हमारे पडीस में घर बनया है जिसके चलते हम लोगों से हिस्से के बटवारे को लेकर बुराई चल रही है। बीते हुये दिवस की बात है जब प्राथिया व उसके परीजन घर पर थे उसी समय महेन्द्र कोवर अपने कुछ साथियों के साथ आया और प्राथिया की बहु के साथ मारपीट करने लगा तो प्राथिया द्वारा बीच बचाव किये जाने पर उसके साथ भी कुचुहाडी से मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई

## साप्ताहिक हाट बाजार की उपेक्षा, तंबू लगाकर चला रहे दुकानदार अपनी दुकाने

हरिभूमि न्यूज/ साईंखेड़ा। कहने को तो थूनीवाले दाब की नगर तहसील की सबसे बडी ग्राम पंचायत मानी जाती थी जो अब नगर पंचायत हो गई है। मगर यहां पर लोगों को सुविधाएं के नाम पर कुछ नहीं मिल पा रहा है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो साईंखेड़ा में लगने वाले साप्ताहिक हाट बाजार प्रशासनिक उपेक्षा के कारण बढहाली से गुजर रहा है। सप्ताह के हर बुधवार के दिन लगने वाले इस बाजार में आस पास के अनेक गांवों के लोग यहां पर पहुंचते है, जो अपनी जरूरत की बस्तुओं को खरीदते है। वही बताया जाता है कि बुधवार के दिन ही यहां पर मवेशी बाजार भी लगता है जिसमें दूरस्थ स्थानों से पशु मालिक अपने मवेशी लेकर आते है। परन्तु दुर्भाग की बात है कि साप्ताहिक बाजार में व्यापारियों के लिये सुविधा के नाम पर कुछ भी नहीं है, जो मुख्य मार्ग के दोनों ओर अपने अपने तंबू लगाते हुए अपनी दुकाने लगाते है। मुख्य सड़क के दोनों ओर बैठने वाले दुकानदार नगर पंचायत को टेक्स तो देते है। परन्तु उन्हे किसी भी प्रकार की सुविधा पंचायत द्वारा नहीं दी जाती है, जो बरसात के दिनों में बाजार में भीगते हुए तथा गर्मी के दिनों में तेज धूप की तपन के साथ अपनी दुकानकारी करने के लिये मजबूर है। इतना ही नहीं जिस मार्ग पर यह बाजार लगता है वह मार्ग अब सीधे प्रदेश की राजधानी से जुड जाने के कारण इस मार्ग से दिन भर भारी वाहनों का आना जाना भी लगा रहता है, जिसके कारण इन वाहनों से इन दुकानों की जान को तो खतरा बना ही रहता है साथ ही साथ आम लोगों की जिन्दगी के लिए भी खतरा की घंटी बजती रहती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रति बुधवार को यहां पर लगने वाले सखी एवं मवेशी बाजार से नगर पंचायत को अनुमानित तौर पर कम से कम 20 हजार रुपये से भी अधिक के मान से राजस्व प्राप्त होता होगा। मगर नगर पंचायत द्वारा जनकी व्यवस्था के लिए आज तक कोई पहल नहीं की गई है,

क्षेत्र की अनेक पंचायतों की सड़को पर फैली घुटना घुटना कीचड़ उजागर कर रही पंचायतों के विकास कार्यों की कहानी

# विकास कार्यों पर हर साल लाखों खर्च होने के बाद भी गांवों की स्थिति बढहाल...

हरिभूमि न्यूज/साईंखेडा/गाडरवारा। जहां एक ओर सरकार द्वारा ग्रामों के विकास के नाम पर हर वर्ष करोडी रूपया खर्च करने के साथ ग्राम पंचायतों के सरपंचों को अधिक पावर देने में कोई कसर नहीं छोडी जा रही है। मगर सरकार द्वारा विकास के नाम पर दिये जाने वाला पैसा कहा खर्च हो रहा है इस बात की आज तक जांच नहीं होने के कारण जहां गफलत बाजी करने वालों के हौसले बुलंद होते चले जा रहे है तो दूसरी ओर गांवों का विकास कार्य कागजों तक ही सीमित होते हुये दिखाई देने से नही चूक रहा है..?सच्चाई यह है कि आज क्षेत्र के अनेक गांवों की बीस तीस साल पहले जैसी स्थिति में घुटनों घुटनो तक कीचड़ के बीच से आम लोगों को अपने कपड़े ऊंचे करते हुये निकलने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है। इस बात की सच्चाई समीपस्थ साईंखेडा हो या फिर चीचली तथा चांवरपाटा विकास खंड के अंतर्गत आने वाले अनेक गांवों में देखने मिल रही है..? बताया जाता है कि गांवों में प्रवेश करने वाले मार्गों पर फैल रही कीचड़ निश्चित तौर से बीस तीस साल पुराने गांवों के रास्तों की याद को ताजा करने में पीछे नहीं है तो दूसरी ओर सरकार द्वारा अंतिम छोर तक विकास पहचाने वाली सोच पर भी प्रश्न चिन्ह लगाने में कोई कसर नहीं छोडी जा रही है..? क्षेत्र के अनेक गांवों का तो यह हाल बना हुआ है कि लोगों को अपने घरों तक पहुंचने के लिये घुटनों घुटनों तक कीचड़ के बीच का रास्ता पार करते हुये पहुंचना पड़ रहा है। पंचायतों के विकास कार्यों की सच्चाई



पर नजर डाली जवे तो बीते हुये सरपंचों के पांच साल के कार्यकाल व वर्तमान सरपंचों के चार साल के कार्यकाल के दौरान किये गये विकास कार्यों की पोल खोलने में पीछे नहीं है। गांवों के मार्गों पर इस तरह कीचड का साम्राज्य देखने मिल रहा है कि मानों वह किसी गांव के रास्ते न होकर खेतों को पहुंचने वाले मार्ग हो..। अनेक गांवों के मार्गों के दर्शन करते हुये लोगों को जहां बीस साल पहले की स्थिति याद आने से नही चूक पा रही है तो दूसरी ओर हाल यह बने हुये कि इस कीचड के बीच से जहां मासूम बच्चों से लेकर बुजुर्गों का निकलना मुश्किल हो रहा है तो दूसरी ओर महिलाओं को आये दिन कीचड के बीच से ही पीने का पानी भरते हुये देखे जाने पर सरकार की विकास बादी सोच से लेकर पंचायत द्वारा अब

तक किये गये ग्राम विकास के नाम पर खर्च की गई राशि सबालों के धरे में आने से नही चूक पा रही है..? यदि पंचायत द्वारा बीते हुये कार्याकाल से लेकर अब तक पंचायत में किये गये कार्यों की जांच की जावे तो निश्चित तौर से करोडो की राशि खर्च होने का रिकार्ड मिलने से नही चूक पायेगा और इसके बाद भी जब ग्रामवासियों को घुटनों भर कीचड़ के बीच निकलते हुये देखा जाता है तो पंचायत के विकास कार्य अपने आप ही कटघरे में आने से नही चूक पाते है कि जब आज भी गांवों की स्थिति बीस साल पहले जैसी बनी हुई है। मगर हैरत की बात है कि गांवों में विकास के नाम पर करोडो खर्च होने के बाद जब सूरत नही बदल पा रही है तो फिर किसी अधिकारी द्वारा जांच करने के ल्पये न पहुंचना इस बात को उजागर करने में पीछे



नही है कि ग्रामीण विभाग के नाम पर सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली राशि की मलाई खाने में प्वभाग के अधिकारी व कर्मचारियों के मिली भगत होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है..? इन ग्रामों में यदि बारिश के दौरान कोई भीमार हो जाता है तो उसकी जिन्दगी भगवान भरोसे बनने से नही चूक पाती है। इतना ही नही सरकार द्वारा लगातार स्वच्छता का संदेश देते हुये गांवों में स्वच्छता के नाम पर राशि पहुंचाई जा रही है। मगर गांवों में फैल रही गंदगी स्वच्छता अभियान पर ग्रहण लगाने में पीछे नहीं है। बदहाली की शिकार हो रही पंचायतों की सच्चाई को मीडिया द्वारा उजागर किये जाने के बाद भी जन्मेदार अधिकारियों की चुप्पी जहां अनेक सबालों को जन्म देते हुये जान पड़ रही है। वही दूसरी ओर



हैरत इस बात की है कि इस सब के बाद भी जिला मुख्यालय से लेकर तहसील स्तर की बागडोर संभालने वाले अधिकारियों को काफी बुद्धिमान बताये जाने के बाद भी आज तक इन अधिकारियों द्वारा इस तरह गांवों में हुई गफलत बाजी को पकड़ने में असफल रहना निश्चित तो देश के सबसे कठित परीक्षा को पास करने वाले इन अधिकारियों की योग्यता पर भी सबाल खड़े होने से नही बच पा रहे है? आमजन का कहना है कि यदि निष्ठावान अधिकारियों द्वारा पंचायतों के विकास कार्यों की निष्ठा के साथ जांच कराई जावे तो चौकाने वाली सच्चाई उजागर होने के साथ साथ यहां पर कागजों पर दौड़ाये ये विकास के घोड़ो की लगाम पकड़ में आने से नही बच पायेगी?

## सागर जिले में जहरीली शराब कांड के बाद सालीचौका में शराब की बाटल के अंदर कीड़े निकलने की खबर..

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। समीपस्थ जिले सागर में जिस तरह बीते हुये दिवस जहरीली शराब के चलते हुये मौतो की घटना ने संपूर्ण प्रदेश में चर्चा का विषय बना दिया गया है। इसके बाद सालीचौका शराब दुकान से खरीदी गई एक व्यक्ति की शराब की बाटल के अंदर कीड़े निकलने के आरोपों ने क्षेत्र में सनसनी का महील निर्मित करने में कोई कसर नहीं छोडी गई है..? यह बात अलग है कि शराब दुकानदार द्वारा तो कंपनी द्वारा प्रदान की गई शराब की विक्री की जाती है उसका निर्माण अन्य दूसरी जगह से शासन की लगरानी में होता है। मगर जिस तरह सागर में जहरीली शराब कांड के बाद यहां पर शराब की बातले के अंदर से कीड़े निकलने की घटना ने निश्चित तौर से सरकार से लेकर संबंधित विभाग की भूमिका पर सबाल खडु कर दिये गये है। वैसे भी देखा जावे तो इस समय सालीचौका क्षेत्र में निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत व गांव गांव शराब की अवैध विक्री चर्चा का विषय बनी हुई देखी जा रही है..? इसके बाद इस तरह युवक द्वारा पौडार तिरहा के पास स्थित शराब दुकान से खरीदी गई शराब के बोतल के अंदर कीड़े निकलने के आरोपों में पराब पीने वालों को चिंता में डाल दिया गया है..? वैसे भी देखा जावे तो शराब का वैध कारोबार आवकारी विभाग की देखरेख में संचालित होता है। इसमें नियम होता है कि शराब विक्रय करने के लिये निर्धारित टेकदार द्वारा शराब की बोतल पर निर्धारित दर्ज रेट से अधिक कीमत पर विक्रय नहीं किया जा सकता



है। वही दूसरी ओर किसी भी व्यक्ति को निर्धारित मात्रा में ही विक्रय करने का नियम होता है। यदि निर्धारित मात्रा से अधिक विक्री की जाती है तो वह नियम विरुद्ध मानी जाती है। मगर इन दिनों सालीचौका क्षेत्र में जिस तरह कच्ची, देशी से लेकर अंग्रेजी शराब का गांव गांव खुलेआम प्चक्रय होते हुये देखा जा रहा है। वह निश्चित तौर से आवकारी विभाग सहित शराब के कारोबारियों की भूमिका पर सबाल खड़े करने से नही चूक रहा है..? हैरत इस बात की है कि शराब दुकानों से जहां एक ओर निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत पर शराब विक्रय करने के आरोप लगने के बाद भी आवकारी विभाग अकुश लगाने में असफल दिखाई दे रहा है तो दूसरी ओर गांव गांव प्चक्रय हो रही शराब को लेकर विभाग इस बात का पता लगाने में असफल नजर आ रहा है कि आखिरकार गांवों में इस तरह किराना दुकानों के भांति सजी हुई शराब के दुकानों पर इतनी मात्रा में शराब पहुंच कहा से रही है..? इसके बाद शराब

की बोतल के अंदर कीड़े निकलने की घटना ने सनसनी पूर्ण महील निर्मित करने में कोई कसर नहीं छोडी है..? आरोप है कि बीते हुये दिवस एक युवक द्वारा पौडार चौराहा स्थित शराब दुकान सालीचौका-2 शराब की बोतल खरीदी गई थी जब वह उसका उपयोग करने के लिये बोतल को खोलने के बाद गिलास में किया तो उसके अंदर से अनेक प्रकार के कीड़े निकलने के चलते जहां युवक हैरत में पड़ गया। इसके बाद युवक द्वारा उसकी शिकायत सीएम हेल्प लाईन सहित शराब दुकान के विक्रेता से भी करते हुये सच्चाई से अवगत कराय़ा गया। इस संबंध में शिकायत कर्ता का आरोप है कि जब उसके द्वारा विक्रेता दुकान पर शिकायत की गई तो दुकानदार द्वारा उसकी शिकायत को गंभीरता से लेने की जगह स्पष्ट व कठोर शब्दों में कहा कि जहां लगे वहा शकायत कर दो..? इस तरह क्षेत्र में खुलेआम गांव गांव शराब की अवैध विक्री के साथ ही निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत पर शराब की बिक्री सहित अब शराब के अंदर से कीड़े निकलने की घटना से यह प्रतीत होने से नही चूक रहा है कि शायद आवकारी विभाग द्वारा इन शराब के कारोबारियों को आम लोगों की जिन्दगी से खेलने की खुली हूट प्रदान कर दी गई है..। आमजन का आरोप है कि यदि आवकारी विभाग का यही रवैया बना रहा तो निश्चित तौर से किसी प्दन सागर जिले की भांति हमारे क्षेत्र में घटना घटित होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है...?

हरिभूमि न्यूज/सिहोरा/बोहानी। भले ही सरकार द्वारा क्षेत्र के अन्नदाताओं के लिये कुछ अंतराल के बाद दो दो हजार रूपया का लाइन पॉप देते हुये खेती को लाभ का धंधा बनाने का भरोसा दिलाने के साथ अपने आपको किसान हितैषी बतााने का प्रयास करने में कोई कसर नहीं छोडी जा रही है। मगर माटी पुत्रों की सच्चाई देखी जावे तो मृग विक्रय के दौरान मार कूट खाने के उपरांत अब

यूरिया प्राप्त करने के लिये अन्नदाता को लाईन में लगाते हुये परेशान होते हुये देखा जा रहा है..? इस समय देखा जा रहा है कि क्षेत्र के किसानों को अपने खेतों में बोई गई फसल को तैयार करने के लिये यूरिया खाद की जरूरत है। मगर पर्याप्त मात्रा में यूरिया उपलब्ध नही होने के चलते वह दिन दिन पर लम्बी लाईनों में खडे होकर एक एक बोरी यूरिया प्राप्त करने की आस हुये हुये देखे जा रहे है। इस सच्चाई को देखकर अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि जब सरकार द्वारा अपने आपको किसानों की सरकार बताया जाता है तो फिर क्या सरकार को इस बात की जानकारी नही रहती है कि खेती के अन्नदाता को किस चीज की जरूरत कब पड़ती है..? इस तरह हर साल देखा जाता है कि जब किसानों को अपने खेतों में बोनी करने का समय आता है तो डीएपी खाद के लिये भटकने के ल्पये मजबूर होते हुये देखा जाता है। वही जब यूरिया खाद की जरूरत रहती है तो उसके लिये भूख प्यासे लाईनों में



खड़ा रहना पड़ता है। इस सच्चाई को देखते हुये जहां किसानों को अपनी खेती लाभ का धंधा बनाने पर भरोसा टूट रहा है..? क्योंकि इस समय देखा जा रहा है कि किसानों द्वारा गर्मी सीजन में पैदा की गई मृंग को लम्बी लम्बी लाईनों में खड़ा रहने के साथ गुणवत्ता के नाम पर लक्ष्मी पूजन करते हुये किसी तरह विक्रय तो कर दिया गया है। मगर अब यूरिया खाद के लिये भटकते हुये देखा जाने लगा है। बताया जाता है कि एक एक बोरी यूरिया प्राप्त करने के लिये विवरण केन्द्रो पर जहां किसानों की लम्बी लाईनें लगी हुई देखी जा रही है। इस तरह यूरिया खाद की कमी का फायदा जहां वितरण केन्द्रो की संचालको से लेकर दुकानदार उठाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे है..? बताया जाता है कि मनमाने दामों पर कुछ अधिकारियों की मिलीभगत के चलते पीछे वाले दरबाजे से चल रहे कारोबार के चलते जहां छोटे किसानों को अधिक परेशान होते हुये देखा जा रहा है।

### शहर के चौराहों से लेकर पुलिस थाने के सामने जमा चार पायों के डेरा से हर नागरिक हो रहे परेशान

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। लोग अपने घरों में दूध खाने के लिए जिस प्रकार से पालतें है, मगर उनकी देख रेख करने की जगह नगरवासियों को परेशानी शानी पैदा करने छोड़ देते है; पशु मालिक दूध निकालकर दुधारू पशु को अपने घर से डण्डा मारकर बाहर निकाल देते है जियके चलते शाम होते ही शहर के मुख्य मार्गों में आवारा पशुओं का जमघट लगा रहता है। इसी का परिणाम है कि आये दिन लोग दुर्घटना के शिकार हो रहे है। इस प्रकार से आवारा पशुओं का इन दिनों सड़कों में जाम लगना आम बात हो गई है और आमलोग जाम से तंग आ चुके है। क्योंकि इन जानवरों को हटाय़े जाने को लेकर न तो प्रशासन गंभीर दिख रहा है और न ही पशु मालिक, ऐसे में आम नागरिकों को काफी कठिनयों का सामना करना पड़ रहा है। कहने के लिये तो कुछ महिनो पहले नगर पालिका प्रशासन द्वारा सोशल मीडिया पर एक पत्र जारी करते हुये लोगों को अवगत कराय़ा गया था कि सड़को पर घूमने वाले पशुओं को पकड़कर शहर के बाहर छोड़ने के लिये एक टीम का गठन किया है। मगर पता नही वह टीम कहा काम कर रही है इस बात का पता नही चल पा रहा है; यदि गौर किया जावे तो इन दिनों शहर के प्रमुख स्थान पोल्टन गंज, रेल्वे स्टेशन रोड, हंडांजको, पुरानी गल्लामंडी, राठी तिरहा, आमगांवनाका, नया बस स्टैन्ड सहित अनेक स्थानों पर यह मवेशी आपना डेरा जमाये आये दिन हादसो को भी आमंत्रित करते रहते है। इतना ही नही नगर के पुलिस के थाने के सामने भी पशुओं का डेरा होने के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करने मजबूर होना पड़ रहा है। इस प्रकार बेपरवाह पालक शहर की सड़को पर आवारा घूम रहे इन जानवरो के पालक पूरी तरह से बेपरवाह बने रहते है तो दूसरी ओर दुधारू जानवरो का दूध निकालने के बाद पशु पालक इन्हे सड़को पर खुल्ला छोड़ देते है ऐसे में ये जानवर सड़को पर पहुंच कर अपना डेरा जमा लेते है, कभी कभार तो इन आवारा जानवरों की वजह से गंभीर हादसे भी घटित हो चुके है। मगर इन आवारा पशुओं को प्रशासन द्वारा हटाय़े जाने किसी भी प्रकार के प्रयास नही किये जा रहे है और न ही पशु पालकों के खिलाफ कोई कार्यवाही जिसके कारण पशु पालकों के हौसले बुलंद होते जा रहे है। जिसका परिणाम आमलोगों की जिन्दगी को खतरा उत्पन्न होता जा रहा है। अतः नया प्रशासन से मांग की जाती है कि पुनः हाका नैग का गठन कर सड़कों से आवरा पशुओं को हटवया जावे नही तो किसी दिन किसी की जान के दुश्मन बन सकते है?



इनकी पहचान करना मुश्किल हो जाती है। वही अवैध उत्खनन के समय छापे के दौरान टेक्टर चालकों और मालिकों के भाग जाने से अवैध उत्खनन करने वालों की जानकारी भी आसानी से नही मिल पाती है। इस स्थिति में संबंधित विभाग की लापरवाही के चलतें जहां क्षेत्र की सड़कों पर इस प्रकार से दौड़ रहे उनके खिलाफ कार्यवाही करना चाहिए, क्योंकि इस समय यह भी देखा जा रहा है कि ट्रेक्टर चालको द्वारा रात के समय ट्रेक्टर का उपयोग करते समय सामने का एक ही लाईट चालू किया जाता है जिससे सामने आने वाला व्यक्ति उसे दो पाहिया वाहन समझकर साईड देते है और वह दुर्घटना प्रस्त हो जाता है। अतः शासन प्रशासन से मांग की जाती है कि बगैर नम्बर तथा एक लाईट व बगैर लाईट के टेक्टरों के खिलाफ एक मुहित के तहत कार्यवाही की जावें।



के हौसले बुलंद है, क्षेत्र की सड़कों पर इस प्रकार से सैकड़ो ऐसे ट्रेक्टर बगैर नम्बर चल रहे है, जिनमें देखा जावे तो अधिकांश अवैध उत्खनन के कार्य में संलिप्त है। टेक्टरों में जहां एक तरफ बिना नम्बर होने के चलते दुर्घटना के बाद

इस प्रकार की लापरवाही के चलते अपने साथ दूसरों की जान भी खतरे में पड़ सकती है

हरिभूमि न्यूज/साईंखेड़ा। जहां एक ओर इस समय सड़कों पर दौड़ रहे वाहनों की गति पर अंकुश न लगने के कारण आये दिन सड़क दुर्घटनाएं होना आम बात होती चली जा रही है। मगर वही कुछ वाहन चालकों द्वारा देखा जाता है कि वह इस प्रकार की लापरवाही का परिचय देते है जिसके चलते वह खुद को जिन्दगी को तो खतरे में डालते ही है साथ ही साथ दूसरों की जिन्दगी को भी खतरे से डालने से नही चूकते है? मगर इस प्रकार से मनमानी करने वालों के खिलाफ पुलिस द्वारा कोई कार्यवाही नहीं किये जाने का परिणाम है कि उनके हौसले इतने बुलंद रहते है कि वह आये दिन मुख्य मार्गों से जिस प्रकार से वाहन चलाते समय लापरवाही का परिचय देते हुए देखे जाते है उससे पुलिस की उदासीनता को खुला प्रमाण दिखाई देते हुए



जान पड़ता है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई गाडरवारा साईंखेड़ा मार्ग पर उस समय देखने मिली जब एक युवक अपने स्वयं के स्वाथों को ध्यान में रखते हुए खुलेआम अपनी जिन्दगी को तो खतरे में डाल ही रहा था वही दूसरी ओर दूसरों की जिन्दगी को भी खतरे में डालते हुए यातायात नियमों की धडल्ले से धजियाँ उड़ाई जा रही थी?



### 10 साल से जर्जर गंगू टोला मार्ग

डिंडोरी। जनपद पंचायत समनापुर मुख्यालय स्थित गंगू टोला मार्ग पिछले करीब एक दशक से बंदहाल स्थिति में है। सड़क निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीण कई बार जनसुनवाई में कलेक्टर को आवेदन दे चुके हैं। इसके अलावा सीएम हेल्पलाइन सहित अन्य माध्यमों से भी 20 से अधिक शिकायतें दर्ज कराई गईं, लेकिन ग्रामीणों के अनुसार अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका है।जर्जर सड़क की स्थिति को देखते हुए गंगू टोला के प्रवेश स्थल पर एक सूचना लगाई गई है, जिसमें कार सहित चार पहिया एवं भारी वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध की बात कही गई है। यह सूचना सोशल मीडिया पर भी प्रसारित हो रही है। सोमवार को सड़क पर जेसीबी की मदद से समतलीकरण कराए जाने की जानकारी भी सामने आई है। ग्रामीणों के अनुसार आदर्श मोहल्ला गंगू टोला का यह मार्ग गांव के प्रमुख संपर्क मार्गों में शामिल है और प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग इससे आवागमन करते हैं। लंबे समय से सड़क कच्ची और जर्जर होने के कारण बारिश के दिनों में स्थिति और खराब हो जाती है। कीचड़ एवं गड्ढों के कारण स्कूली बच्चों, दोपहिया वाहन चालकों और पैदल आने-जाने वाले ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।ग्रामीणों का कहना है कि पिछले करीब 10 वर्षों से सड़क निर्माण की मांग की जा रही है, लेकिन पंचायत और जनपद स्तर पर समस्या का स्थायी निराकरण नहीं हो पाया। शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी है। उनका आरोप है कि लगातार शिकायतों और लंबे संघर्ष के बाद भी मार्ग निर्माण की दिशा में ठोस पड़ल नहीं होने से सरकारी व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।ग्रामीणों ने कलेक्टर से मामले का संज्ञान लेकर संबंधित अधिकारियों से मांग का तत्काल सर्वे कराने और निर्माण कार्य शुरू करवाने की मांग की है। उनका कहना है कि यह मार्ग गांव के लिए महत्वपूर्ण है और इसके निर्माण से बड़ी संख्या में ग्रामीणों को आवागमन की समस्या से राहत मिल सकेगी।

### नवोदय विद्यालय में प्रवेश के लिए आवेदन शुरू

शहपुरा - पी.एम. श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय धमनगांव, जिला डिंडोरी में सत्र 2027-28 के लिए कक्षा 9वीं एवं 11वीं में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। इच्छुक विद्यार्थी निर्धारित तिथि तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2026 निर्धारित की गई है। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार कक्षा 9वीं के साथ कक्षा 11वीं में भी प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। कक्षा 11वीं में कला/मानविकी तथा विज्ञान संकाय में प्रवेश दिया जाएगा। प्रवेश के इच्छुक पात्र अग्रणी नवोदय विद्यालय समिति की आधिकारिक वेबसाइट [navodaya.gov.in](http://navodaya.gov.in) पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

### सर्प ने डसा, उपचार के दौरान किसान की मौत



शहपुरा - खेत में काम करते समय सर्पदंश का शिकार हुए 50 वर्षीय व्यक्ति की सोमवार को शहपुरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना रविवार दोपहर करीब 12 बजे गाम पिंडरई माल में हुई। हादसे के बाद परिजन के बाद उन्हें उपचार के लिए शहपुरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां उन्हें मर्ती कर उपचार शुरू किया गया था।जानकारी के अनुसार गाम पिंडरई माल निवासी कहैया सिंह मरकाम, पिता मोहन सिंह मरकाम, उम्र 50 वर्ष, रविवार दोपहर अपने खेत में काम कर रहे थे। इसी दौरान सर्प ने उनके बाल पर डस लिया। सर्पदंश के बाद उनकी तबीयत बिगड़ने लगी, जिसके बाद परिजन उन्हें तत्काल शहपुरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। अस्पताल में चिकित्सकों द्वारा उनका उपचार किया जा रहा था, लेकिन सोमवार को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना का सूचना मिलने पर पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए मृतक का पोस्टमार्टम करवाया। पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया।किसान की अचानक हुई मौत से परिवार में शोक का माहौल है। वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में बारिश के दौरान सर्पदंश की घटनाओं को लेकर लोगों में भी चिंता बनी हुई है।

# फसल नष्ट कराने के आरोप में पुलिस-वन विभाग की टीम दादरघुघरी पहुंची

## कुकरा के ग्रामीणों पर मवेशियों से धान-कुटकी की फसल चराने का आरोप, विवादित वनभूमि को लेकर वर्षों से चल रहा विवाद

डिंडोरी। मेंहदवानी वन परिक्षेत्र के वनग्राम दादरघुघरी में खड़ी फसल को मवेशियों से नष्ट कराने के आरोप के बाद सोमवार को पुलिस और वन विभाग की टीम गांव पहुंची। दादरघुघरी के ग्रामीणों ने इस मामले में मेंहदवानी थाना में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के बाद पुलिस और वन विभाग के अमले ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और ग्रामीणों को नियमानुसार कार्रवाई का आश्वासन दिया।ग्रामीणों के अनुसार, ग्राम पंचायत खरगवारा के पोषक ग्राम कुकरा और वनग्राम दादरघुघरी के ग्रामीणों के बीच विवादित वनभूमि को लेकर लंबे समय से विवाद चला आ रहा है। दोनों पक्ष इस भूमि पर अपने-अपने अधिकार का दावा करते हैं। दादरघुघरी के ग्रामीणों का कहना है कि उनके परिवार वर्षों से इस भूमि पर खेती करते आ रहे हैं। वहीं कुकरा के ग्रामीण उक्त भूमि को चरनोई भूमि बताते हुए वहां खेती किए



जाने का विरोध करते हैं। दादरघुघरी के ग्रामीणों के मुताबिक वन अधिकार के दावों और आपत्तियों की प्रक्रिया के बाद कई किसानों को संबंधित भूमि के वन अधिकार पत्र भी जारी किए जा चुके हैं। इसके बावजूद भूमि पर खेती को लेकर दोनों गांवों के बीच विवाद बना हुआ है।ग्रामीणों का आरोप है कि रविवार को कुकरा गांव के लोग कथित तौर पर सैकड़ों मवेशियों को लेकर



लाकर खेतों में खड़ी फसल को नुकसान पहुंचाया जाता है। विरोध करने पर विवाद और मारपीट की स्थिति निर्मित होने के आरोप भी लगाए गए हैं। ग्रामीणों के अनुसार, इस संबंध में कलेक्टर कार्यालय और मेंहदवानी थाना सहित विभिन्न स्तरों पर कई बार शिकायतें की जा चुकी हैं, लेकिन स्थायी समाधान नहीं निकल पाया है। रविवार को फसल नष्ट होने की घटना के बाद दादरघुघरी के

ग्रामीणों ने कुकरा के 17 लोगों के विरुद्ध मेंहदवानी थाना में लिखित शिकायत दी। शिकायत के बाद पुलिस एवं वन विभाग ने मामले की जांच शुरू कर दी है। सोमवार को टीम ने मौके का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने ग्रामीणों को आश्वासित किया कि जांच में दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

# सड़क नहीं तो हाईवे जाम, ग्रामीणों ने प्रशासन को दिया एक सप्ताह का अल्टीमेटम

## कलेक्टर के नाम नायब

## तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

डिंडोरी। अमरपुर जनपद पंचायत क्षेत्र के जल्दा मुड़िया गांव में सड़क की बंदहाल स्थिति को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। सोमवार को दर्जनों ग्रामीण पक्की सड़क निर्माण की मांग को लेकर जिला मुख्यालय पहुंचे और कलेक्ट्रेट में कलेक्टर के नाम नायब तहसीलदार ब्रजभान सिंह को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने प्रशासन को एक सप्ताह का समय देते हुए चेतावनी दी है कि इस अवधि में सड़क निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ तो वे मंडला-डिंडोरी नेशनल हाईवे पर चक्काजाम कर आंदोलन करेंगे।ग्रामीणों के अनुसार जल्दा मुड़िया गांव की आबादी करीब 1200 है और यह गांव मंडला-डिंडोरी नेशनल हाईवे से लगभग डेढ़ किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। मुख्य मार्ग से गांव को जोड़ने वाली सड़क लंबे समय से कच्ची और बंदहाल है। बारिश के दिनों में स्थिति और गंभीर हो जाती है। लगातार बारिश से सड़क पर



कीचड़ और पानी जमा होने के कारण पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। दोपहिया और चारपहिया वाहनों का गांव तक पहुंचना भी कई बार मुश्किल हो जाता है। ग्रामीण ओम नारायण ने बताया कि खराब सड़क का सबसे ज्यादा असर स्कूली बच्चों पर पड़ रहा है। बारिश के दौरान बच्चे कीचड़ भरे रास्ते से पैदल मुख्य

मार्ग तक पहुंचते हैं। कई बार उन्हें जूते-चप्पल हाथ में लेकर चलना पड़ता है। फिसलन के कारण बच्चों के गिरने का खतरा भी बना रहता है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की समस्या के कारण गांव का विकास भी प्रभावित हो रहा है।ग्रामीणों ने बताया कि सड़क निर्माण की मांग को लेकर वे लंबे समय से अधिकारियों और

जनप्रतिनिधियों के समक्ष अपनी समस्या रखते आ रहे हैं। चुनाव के दौरान भी ग्रामीणों ने सड़क निर्माण की मांग को लेकर चुनाव बहिष्कार का निर्णय लिया था। उस समय अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने सड़क निर्माण का आश्वासन दिया था, लेकिन चुनाव के बाद भी स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया।

ग्रामीणों का कहना है कि अब उन्हें आश्वासन नहीं, बल्कि सड़क का निर्माण चाहिए। लगातार आवेदन और मांग के बावजूद समस्या का समाधान नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी है। उन्होंने प्रशासन को एक सप्ताह का अंतिम समय देते हुए कहा है कि यदि निर्धारित अवधि में सड़क निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया तो वे मंडला-डिंडोरी नेशनल हाईवे पर सामूहिक चक्काजाम करेंगे।ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जनहित और स्कूली बच्चों की परेशानी को देखते हुए सड़क निर्माण को प्राथमिकता देते हुए तत्काल स्वीकृति प्रदान की जाए और निर्माण कार्य शुरू कराया जाए।

# सेवा संकल्प अभियान को लेकर भाजपा की जिला कार्यसमिति में बनी रणनीति 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक होंगे विभिन्न आयोजन, बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं को सौंपी जिम्मेदारी

गाड़ासई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकसेवक के रूप में 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक प्रस्तावित सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों को लेकर भाजपा जिला कार्यसमिति की बैठक मां कर्मा बाई धर्मशाला, गाड़ासई में हुई। बैठक में अभियान को जिले के सभी मंडलों और बूथों तक प्रभावी रूप से पहुंचाने की रणनीति तय की गई तथा विभिन्न कार्यक्रमों के लिए कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गईं।पूर्व राष्ट्रीय मंत्री एवं विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने कहा कि भाजपा देश का एकमात्र राजनीतिक दल है, जिसके पास सुशासन और नीति अनुसंधान की स्पष्ट अवधारणा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्ष के सेवाकाल को समर्पित इस अभियान के तहत कार्यकर्ताओं को सेवा गतिविधियों के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचना है।उन्होंने बताया कि अभियान के तहत 17 सितंबर को प्रत्येक बूथ पर दीप प्रज्वलन, विद्यालयों में चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताएं, 'नमो सेवा गाथा' के तहत नुकड़ नाटक, आंगनवाड़ी केंद्रों पर मातृ संवाद एवं



पोषण जागरूकता कार्यक्रम, लाभार्थियों की सफलता की कहानियों का संकलन, सेवा ज्योति यात्रा, 'सरकार आपसे द्वार' शिविर, सामूहिक रंगोली और राष्ट्रीय इनोवेशन चैलेंज सहित 13 प्रमुख कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज सिंह तैकाम ने कहा कि भाजपा में पद और दायित्व से ऊपर कार्यकर्ता भाव है। संगठन का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्र और संगठन की सेवा के लिए समान भाव से काम करता है। प्रधानमंत्री



नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कार्यकर्ता संगठन को मजबूत करने के साथ राष्ट्रसेवा में जुटे हैं। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष चमरू सिंह नेताम ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के प्रत्येक कार्यक्रम को बूथ स्तर तक पहुंचाने के लिए कार्यकर्ताओं की टोलियां बनाई गई हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अभियान को जन-जन तक पहुंचाने और समाज के प्रत्येक वर्ग को सेवा गतिविधियों से जोड़ने का आह्वान किया।पूर्व जिला अध्यक्ष नरेंद्र राजपूत ने अभियान के कार्यक्रमों के

# रूसा और गोरखपुर पीएचसी का औचक निरीक्षण

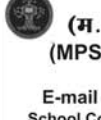
डिंडोरी। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रूसा एवं गोरखपुर का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. मनोज पांडेय तथा राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के जिला समन्वयक श ओम प्रकाश उर्रेती मौजूद रहे।रूसा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया एवं तत्कालीन एसडीएम रामभाबू देवानंन के विशेष प्रयासों से सामान्य प्रसव की सुविधा शुरू की गई है। सीएमएचओ डॉ. मनोज पांडेय ने बताया कि 15 फरवरी 2026 से अगस्त 2026



श्याम, ममता तिवारी और मनोरी द्वारा केंद्र में रहकर प्रसव सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।निरीक्षण के दौरान दोनों स्वास्थ्य केंद्रों में उपस्थित पंजी, साफ-सफाई, नि:शुल्क दवाओं की उपलब्धता और ओपीडी सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया

तक स्वास्थ्य केंद्र में 105 संस्थागत प्रसव कराए जा चुके हैं। मेडिकल ऑफिसर डॉ. सुशान्त श्रीवास्तव तथा स्टाफ नर्स ज्योति नागवंशी, देववती

गया। अधिकारियों ने स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही तथा निर्धारित समय पर कार्यस्थल पर अनुपस्थित रहने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी।रूसा में प्रसव सुविधा शुरू होने से क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं को अब प्रसव के लिए दूरस्थ स्वास्थ्य संस्थानों का रुख कम करना पड़ रहा है। स्थानीय स्तर पर संस्थागत प्रसव की सुविधा मिलने से ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को काफी राहत मिली है। छात्रावास में विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण - इसी क्रम में राजा कुंवर शंकरशाह-रघुनाथशाह सैनियन बालक छात्रावास में



**एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय**  
(म. प्र. स्थल एण्ड रेसिडेंशियल एकेडमिक सोसायटी  
(MPSARAS) भोपाल, जिला डिंडोरी (म.प्र.) फ़ोन. 48 1880  
Web Site - [www.emrsdindori.com](http://www.emrsdindori.com)  
E-mail - [dindori.emrs9@gmail.com](mailto:dindori.emrs9@gmail.com) 52010@cbseshiksha.in  
School Code - 52010, Affiliation No. - 1020001, Disc Code - 23410723802

**सुधि पत्र**

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय डिंडोरी जिला डिंडोरी (म.प्र.) की निविद दिनांक 03/09/2026 को प्रकाशित हुई थी, निविद प्राप्त, नियम, शर्त एवं अधिक जानकारी हेतु विद्यालय कार्यालय में संपर्क करें तथा इसकी विस्तृत जानकारी निम्न वेबसाइट <https://emrsdindori.in> एवं EMAIL: [dindori.emrs9@gmail.com](mailto:dindori.emrs9@gmail.com), 52010@cbseshiksha.in पर उपलब्ध है।

**प्राचार्य**  
**एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय डिंडोरी जिला डिंडोरी**



गोर, नगर पुलिस अधीक्षक महादेव नागोतिरिया, थाना प्रभारी उमेश गोहलानी एवं थाना प्रभारी नितिन कमल, उडोग विभाग से महाप्रबंधक विनीत रजक, आलोक पाठक तथा प्राचार्य इडवोकेट ठाकुर चरण सिंह को सम्मानित किया गया। इस्टेट बार काउंसिल में भी मंत्री मतो से निर्वाचित एडवोकेट आर. के. सिंह सैनी तथा हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित सचिव असीम त्रिवेदी का भी सम्मान किया गया।

**पत्रकारों ने लिया एकजुटता**

सफल संवादन राष्ट्रीय आईटी सेलप्रदेश